हिंदी विभाग

दिल्ली विश्वविद्यालय

दिल्ली-110007

(जनवरी/मई 2022 से लागू)

एम.ए. हिंदी का निर्धारित पाठ्यक्रम)

सीबीसीएस पद्धति

सेमेस्टर : II

मूल पाठ्यक्रम (**Core Course**)

प्रश्नपत्र 201	–	रीतिकालीन हिंदी काव्य
प्रश्नपत्र 202	–	आधुनिक हिंदी काव्य–I
प्रश्नपत्र 203	–	हिंदी नाटक
प्रश्नपत्र 204	–	सामान्य भाषाविज्ञान
प्रश्न पत्र 205	–	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

नोट : ऑनर्स स्नातकोत्तर एवं अनुसंधान पाठ्यक्रम समिति की दिनांक 12 मई, 2022 में पारित ।

डॉ. श्यौराज सिंह / DR. SHEORAJ SINGH
वरिष्ठ आचार्य एवं अध्यक्ष, हिन्दी विभाग
Senior Professor and Head, Deptt. of Hindi
दिल्ली विश्वविद्यालय / University of Delhi
दिल्ली–110007 / Delhi-110007

सेमेस्टर : II

प्रश्नपत्र-201 : रीतिकालीन हिंदी काव्य

Course Objective (2-3)

हिंदी साहित्य के रीतिकालीन इतिहास का विश्लेषणात्मक ज्ञान देना
विभिन्न कवियों और उनकी कविताओं का विशिष्ट ज्ञान

Course Learning Outcomes

हिंदी साहित्य के रीतिकाल का विशिष्ट ज्ञान
प्रमुख कवियों व उनकी कविता की समझ विकसित होगी

इकाई-1 : मतिराम : ललितललाम (छंद संख्या 1 से 30)
मतिराम ग्रंथावली ; संपादक : कृष्णबिहारी मिश्र, ब्रजकिशोर मिश्र
नागरीप्रचारणी सभा ; वाराणसी, प्रथम संस्करण, संवत् 2021

इकाई-2 : बिहारी : बिहारी-सतसई : बिहारी-रत्नाकर, संपादक : श्री जगन्नाथदास रत्नाकर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, सन् 2005

दोहा संख्या : 1, 5, 7, 9, 10, 11, 15, 19, 20, 21, 22, 25, 28, 32, 38, 42, 45, 52, 55, 67, 71, 73, 78, 85, 91, 94, 99, 106, 121, 124, 127, 135, 140, 146, 151, 171, 188, 191, 192, 201, 203, 207, 295, 300, 317, 406, 428, 432, 588, 658. (कुल 50 दोहे)

इकाई-3 : घनानंद : सुजान हित ; घनानंद ग्रंथावली, संपादक : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान, बनारस

छंद संख्या : 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 21, 22, 24, 25, 26, 32, 36, 37, 38, 41, 43, 49, 50, 52, 57, 58, 62, 64, 66, 78, 90. (कुल 31 छंद)

इकाई-4 : गुरु गोबिन्द सिंह: चण्डी चरित्र उक्ति विलास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली ; 1979

छंद संख्या : 1 से 116 तक (प्रथम तीन अध्याय)

प्रस्तावित पुस्तकें :

मतिराम : कवि और आचार्य : महेंद्र कुमार

बिहारी सार्धशती : ओमप्रकाश

बिहारी : ओमप्रकाश

बिहारी की काव्य सृष्टि : जय प्रकाश

बिहारी की वाग्विभूति : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

घनानंद काव्य और आलोचना : किशोरी लाल

घनानंद के काव्य में अप्रस्तुत योजना : मनोहर लाल

घनानंद : लल्लन राय

गुरु गोबिन्द सिंह और उनकी हिंदी कविता : महीप सिंह

गुरु गोबिन्द सिंह के साहित्य में भारतीय संस्कृति : धर्मपाल मैनी

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

प्रश्नपत्र-202 : आधुनिक हिंदी काव्य-I

Course Objective (2-3)

हिंदी साहित्य के आधुनिक इतिहास का विश्लेषणात्मक ज्ञान देना

विभिन्न कवियों और उनकी कविताओं का विशिष्ट ज्ञान

Course Learning Outcomes

हिंदी साहित्य के आधुनिक युग का विशिष्ट ज्ञान

प्रमुख कवियों व उनकी कविता की समझ विकसित होगी

इकाई-1 मैथिलीशरण गुप्त : साकेत (नवम् सर्ग)

डॉ. श्यौराज सिंह / Dr. SHEORAJ SINGH
वरिष्ठ आचार्य एवं अध्यक्ष, हिन्दी विभाग
Senior Professor and Head, Deptt. of Hindi
दिल्ली विश्वविद्यालय / University of Delhi
दिल्ली–110007 / Delhi

इकाई-2 **जयशंकर प्रसाद** : कामायनी
चिंता, श्रद्धा और इड़ा सर्ग

इकाई-3 **निराला** : राग-विराग : सं. रामविलास शर्मा
राम की शक्तिपूजा

इकाई-4 **मुक्तिबोध** : चाँद का मुँह टेढ़ा है
अँधेरे में

प्रस्तावित पुस्तकें :

अतीत का हंस - प्रभाकर श्रोत्रिय
साकेत : एक अध्ययन - नगेन्द्र
मैथिलीशरण गुप्त : प्रासंगिकता के अंत:सूत्र - कृष्णदत्त पालीवाल
त्रयी (प्रसाद, निराला और पंत) - जानकील्लभ शास्त्री
छायावाद के आधार-स्तंभ - गंगाप्रसाद पाण्डेय
छायावाद - नामवर सिंह

अन्य सहायक पुस्तकें :

छायावादी कवियों का सौंदर्य-विधान - सूर्यप्रसाद दीक्षित
जयशंकर प्रसाद - नंददुलारे वाजपेयी
कामायनी : एक पुनर्विचार - मुक्तिबोध
कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ - नगेन्द्र
निराला की साहित्य साधना, भाग-2 - रामविलास शर्मा
कवि निराला - नंददुलारे वाजपेयी
निराला : आत्महंता आस्था - दूधनाथ सिंह
निराला काव्य की छवियाँ - नंदकिशोर नवल

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1
4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2
7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3
10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4
13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

डॉ. श्यामराज सिंह / Dr. SHEORAJ SINGH
वरिष्ठ आचार्य एवं अध्यक्ष, हिन्दी विभाग
Senior Professor and Head, Deptt. of Hindi
दिल्ली विश्वविद्यालय / University of Delhi
दिल्ली–110007 / Delhi-110007

5.

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

प्रश्नपत्र-203 : हिंदी नाटक

Course Objective (2-3)

हिंदी साहित्य के नाटक का विश्लेषणात्मक ज्ञान देना
विभिन्न नाटककारों और उनके नाटकों का विशिष्ट ज्ञान

Course Learning Outcomes

हिंदी साहित्य के नाटकों का विशिष्ट ज्ञान
प्रमुख नाटककारों और नाटकों की समझ विकसित होगी

इकाई-1 : भारतेंदु : अंधेर नगरी

इकाई-2 : जयशंकर प्रसाद : चंद्रगुप्त

इकाई-3 : धर्मवीर भारती : अंधायुग

इकाई-4 : मोहन राकेश : आधे-अधूरे

प्रस्तावित पुस्तकें :

1. हिंदी नाटक : उद्भव और विकास : दशरथ ओझा
2. आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच : नेमिचंद्र जैन
3. हिंदी नाटक : समाजशास्त्रीय अध्ययन : सीताराम झा 'श्याम'
4. भारतेंदु हरिश्चंद्र : रामविलास शर्मा
5. नाटककार भारतेंदु की रंग परिकल्पना : सत्येंद्र तनेजा
6. जयशंकर प्रसाद की प्रासंगिकता : प्रभाकर श्रोत्रिय

अन्य सहायक पुस्तकें :

7. प्रसाद के नाटक : देश और काल की बहुआयामिता : रमेश गौतम
8. मोहन राकेश और उनके नाटक : गिरीश रस्तोगी
9. मोहन राकेश : साहित्यिक और सांस्कृतिक दृष्टि : मोहन राकेश

डॉ. श्यौराज सिंह / DR. SHEORAJ SINGH
वरिष्ठ आचार्य एवं अध्यक्ष, हिन्दी विभाग
Senior Professor and Head, Deptt. of Hindi
दिल्ली विश्वविद्यालय / University of Delhi
दिल्ली-110007 / Delhi-110007

10. आज का हिंदी नाटक : प्रगति और प्रभाव : दशरथ ओझा
11. मोहन राकेश के सम्पूर्ण नाटक : नेमिचंद्र जैन
12. हिंदी नाटक : मिथक और यथार्थ : रमेश गौतम
13. हिंदी नाटक : आजकल : जयदेव तनेजा
14. भारतीय नाट्य साहित्य : नगेंद्र

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1
4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2
7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3
10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4
13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

प्रश्नपत्र–204 : सामान्य भाषाविज्ञान

Course Objective (2-3)

भाषाविज्ञान की विशिष्ट समझ विकसित होगी
भाषा की विशेषताओं और उपांगों का विश्लेषणात्मक ज्ञान होगा

Course Learning Outcomes

भाषा और उसके उपांगों का ज्ञान

इकाई–1 : भाषा और भाषाविज्ञान

- भाषा और भाषाविज्ञान की परिभाषा
- भाषा–व्यवस्था (लांग) और भाषा–व्यवहार (परोल),
- भाषा और संप्रेषण
- मानवेतर संप्रेषण और मानव–संप्रेषण
- भाषाविज्ञान की अध्ययन पद्धतियाँ

इकाई–2 : स्वनविज्ञान और स्वनिमविज्ञान

- स्वनों का वर्गीकरण

- स्वन-परिवर्तन के कारण
- स्वनिम के भेद : खंडीय एवं खंडेतर
- स्वन, स्वनिम और सहस्वन
- स्वनिम और सहस्वन का निर्धारण

इकाई-3 : रूपविज्ञान एवं रूपिमविज्ञान

- रूप, रूपिम और सहरूप
- रूपिमविज्ञान
- शब्द और पद
- अर्थतत्व एवं संबंध तत्व
- संबंधतत्व के प्रकार

इकाई-4 : वाक्यविज्ञान, प्रोक्ति एवं अर्थविज्ञान

- वाक्य-रचना के आधार
- वाक्य के प्रकार
- वाक्य के निकटतम अवयव
- प्रेक्ति का स्वरूप, प्रोक्ति-विश्लेषण
- शब्द और अर्थ का संबंध
- अर्थ-प्रतीति के साधन
- अर्थ-परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ

प्रस्तावित पुस्तकें :

सामान्य भाषाविज्ञान : बाबूराम सक्सेना
भाषाविज्ञान : भोलानाथ तिवारी
भाषाविज्ञान की भूमिका : देवेन्द्र नाथ शर्मा
आधुनिक भाषाविज्ञान : राजमणि शर्मा
भाषाशास्त्र की रूपरेखा : उदयनारायण तिवारी
भाषा और समाज : रामविलास शर्मा

अन्य सहायक पुस्तकें -
भाषा : ब्लूमफील्ड (अनुवाद : विश्वनाथ प्रसाद)
हिंदी भाषा का इतिहास : धीरेंद्र वर्मा
सामान्य भाषाविज्ञान : वैश्ना नारंग
ध्वनिविज्ञान : गोलोक बिहारी ढल
अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान : रवींद्रनाथ श्रीवास्तव

डॉ. श्यौराज सिंह / Dr. SHEORAJ SINGH
वरिष्ठ आचार्य एवं अध्यक्ष, हिन्दी विभाग
Senior Professor and Head, Deptt. of Hindi
दिल्ली विश्वविद्यालय / University of Delhi
दिल्ली–110007 / Delhi-110007

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

20.12.19

प्रो० ... / Prof. ...
विभागाध्यक्ष / Head
हिंदी विभाग / Department of hindi
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली 110007
University of Delhi ...

20/12/19

हिन्दी - विभाग * दिल्ली विश्वविद्यालय *

डॉ. श्यौराज सिंह / Dr. SHEORAJ SINGH
वरिष्ठ आचार्य एवं अध्यक्ष, हिन्दी विभाग
Senior Professor and Head, Deptt. of Hindi
दिल्ली विश्वविद्यालय / University of Delhi
दिल्ली–110007 / Delhi-110007

प्रश्नपत्र-205 : हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

(यूनिक पेपर कोड : 120501304)

Course Objective (2-3)

हिंदी साहित्य के इतिहास का विश्लेषणात्मक ज्ञान देना

आधुनिक इतिहास लेखन, प्रमुख इतिहास ग्रंथ और आधुनिक युगों का विशिष्ट ज्ञान प्रदान करना

Course Learning Outcomes

इतिहास लेखन और साहित्यिक इतिहास की समझ विकसित होगी

हिंदी साहित्य के आधुनिक युगों का विश्लेषणात्मक अध्ययन

इकाई-1

आधुनिक काल की पृष्ठभूमि : सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक (1857 के स्वाधीनता संग्राम से 1947 तक का राजनीतिक इतिहास, नवजागरण)

इकाई-2

- भारतेन्दु युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक प्रवृत्तियाँ
- द्विवेदी युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक प्रवृत्तियाँ
- छायावाद : प्रमुख रचनाकार, रचनाएँ और साहित्यिक प्रवृत्तियाँ

इकाई-3

- प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता और समकालीन कविता

इकाई-4

- निबंध, आलोचना, नाटक : उद्भव और विकास
- उपन्यास, कहानी, पत्रकारिता : उद्भव और विकास

डॉ. श्यौराज सिंह / Dr. SHEORAJ SINGH
वरिष्ठ आचार्य एवं अध्यक्ष, हिन्दी विभाग
Senior Professor and Head, Deptt. of Hindi
दिल्ली विश्वविद्यालय / University of Delhi
दिल्ली-110007 / Delhi-110007

हिन्दी - विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय

(18)

प्रस्तावित पुस्तकें :

हिंदी साहित्य का इतिहास : रामचंद्र शुक्ल

हिंदी साहित्य का इतिहास : सं. नगेन्द्र

आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास : बच्चन सिंह

आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ : नामवर सिंह

हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी

अन्य सहायक पुस्तकें -

साहित्य और इतिहास दृष्टि : मैनेजर पाण्डेय

हिंदी का गद्य साहित्य : रामचन्द्र तिवारी

हिंदी काव्य का इतिहास : रामस्वरूप चतुर्वेदी

हिंदी कविता का प्रवृत्तिगत इतिहास : पूरनचंद टण्डन एवं विनीता कुमारी

हिंदी साहित्येतिहास की भूमिका (भाग-3) : सूर्यप्रसाद दीक्षित

हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

डॉ. शेओराज सिंह / Dr. SHEORAJ SINGH
वरिष्ठ आचार्य एवं अध्यक्ष, हिन्दी विभाग
Senior Professor and Head, Department of Hindi
दिल्ली विश्वविद्यालय / University of Delhi
दिल्ली–110007 / Delhi-110007

हिन्दी - विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय

(11)

हिंदी विभाग

दिल्ली विश्वविद्यालय

दिल्ली-110007

एम०ए० (हिंदी) पाठ्यक्रम

(सत्र : 2022 से लागू)

अन्य विभागों से आए विद्यार्थियों के लिए

मुक्त ऐच्छिक पाठ्यक्रम (Open Elective Course) के पाठ्यक्रम

सीबीसीएस पद्धति : सेमेस्टर-II

प्रश्नपत्र-5002 : प्रयोजनमूलक हिंदी

Course Objective (2-3)

प्रयोजनमूलक हिंदी का विश्लेषणात्मक ज्ञान

प्रयोजनमूलक हिंदी और उनके माध्यमों का व्यावहारिक प्रयोग

Course Learning Outcomes

प्रयोजनमूलक हिंदी की सैद्धांतिक समझ

प्रयोजनमूलक हिंदी के विश्लेषण की क्षमता

इकाई-1 : प्रयोजनमूलक हिंदी : अभिप्राय और क्षेत्र

- अर्थ-विस्तार, आवश्यकता और विशेषताएँ
- हिंदी की भूमिकाएँ : राजभाषा, संपर्क भाषा, साहित्यिक भाषा, संचार भाषा, माध्यम भाषा
- भारतीय भाषाएँ
- हिंदी की समृद्धि व प्रकार, हिंदी का वैविध्य
- पारिभाषिक शब्दावली का निर्धारण, सिद्धांत एवं सामान्य विशेषताएँ, पारिभाषिक शब्दावली--निर्माण, वर्गीकरण, व्युत्पादन प्रक्रिया
- मौखिक और लिखित भाषा का स्वरूप, अंतर
- लिपि--वर्तनी का मानक रूप
- शब्द संपदा और उसका मानकीकरण
- आधारभूत वाक्य संरचना
- हिंदी : मानकीकरण और आधुनिकीकरण की प्रक्रिया

इकाई-2 : जनसंचार में हिंदी

डॉ. श्यौराज सिंह / Dr. SHEORAJ SINGH
वरिष्ठ आचार्य एवं अध्यक्ष, हिन्दी विभाग
Senior Professor and Head, Deptt. of Hindi
दिल्ली विश्वविद्यालय / University of Delhi
दिल्ली–110007 / Delhi-110007

(12)

- जनसंचार माध्यम : विविध आयाम
- जनसंचार माध्यम : विविध भाषिक रूप
- विज्ञापन और हिंदी
- संपादन कला

इकाई–3 : वैज्ञानिक और तकनीकी भाषा रूप

- वैज्ञानिक और तकनीकी हिंदी कीं प्रयुक्तियाँ
- वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली
- पर्याय निर्धारण–शब्द निर्माण, प्रयोग
- वैज्ञानिक और तकनीकी लेखन

इकाई–4 : प्रशासनिक पत्राचार, विविध रूप

- प्रारूपण, कार्यालयी पत्राचार, संक्षेपण, टिप्पण, पल्लवन, प्रतिवेदन

प्रस्तावित पुस्तकें :

प्रयोजनमूलक हिंदी :. दंगल झाल्टे
हिंदी भाषा का प्रयोजनमूलक स्वरूप : कैलाशचन्द्र भाटिया
प्रयोजनमूलक कामकाजी हिंदी : कैलाशचन्द्र भाटिया
भूमंडलीकरण, सूचना प्रौद्योगिकी और हिंदी : संपादक–पूरनचंद टण्डन, सुनील कुमार तिवारी
अन्य सहायक पुस्तकें -
प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत और प्रयुक्ति: जितेंद्र वत्स
हिंदी, प्रयोजनमूलक हिंदी और अनुवाद : पूरनचंद टंडन
हिंदी भाषा प्रयोजनमूलकता एवं आयाम : हरमोहन लाल सूद, देवेन्द्र कुमार
आजीविका साधन हिंदी : पूरनचंद टण्डन
सूचना प्रौद्योगिकी : हिंदी और अनुवाद : सं. पूरनचंद टंडन

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1
4 से 6 सप्ताह - इकाई -2
7 से 9 सप्ताह - इकाई -3
10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4
13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

डॉ. श्यौराज सिंह / DR. SHEORAJ SINGH
वरिष्ठ आचार्य एवं अध्यक्ष, हिन्दी विभाग
Senior Professor and Head, Deptt. of Hindi
दिल्ली विश्वविद्यालय / University of Delhi
दिल्ली–110007 / Delhi-110007

EC (1262)-18.08.2022

हिन्दी विभाग

दिल्ली विश्वविद्यालय

दिल्ली-110007

से लागू

(2022/सेमेस्टर-iii के लिए निर्धारित एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम)

सीबीसीएस पद्धति

सेमेस्टर-III

प्रश्नपत्र-301 : आधुनिक हिंदी काव्य-II

(यूनिक पेपर कोड : 120501301)

Course Objective (2-3)

हिंदी साहित्य के आधुनिक इतिहास का विश्लेषणात्मक ज्ञान देना

विभिन्न कवियों और उनकी कविताओं का विशिष्ट ज्ञान

Course Learning Outcomes

हिंदी साहित्य के आधुनिक युग का विशिष्ट ज्ञान

प्रमुख कवियों व उनकी कविता की समझ विकसित होगी

इकाई - 1

अज्ञेय : आँगन के पार द्वार

असाध्यवीणा

इकाई - 2

शमशेर : प्रतिनिधि कविताएँ (सं.) नामवर सिंह

- हार-हार समझा मैं
- चुका भी हूँ मैं नहीं
- जीवन की कमान
- सींग और नाखून
- राग

डॉ. श्यौराज सिंह / Dr. SHEORAJ SINGH
वरिष्ठ आचार्य एवं अध्यक्ष, हिंदी विभाग
Senior Professor and Head, Deptt. of Hindi
दिल्ली विश्वविद्यालय / University of Delhi
दिल्ली-110007 / Delhi-110007

हिन्दी विभाग दिल्ली विश्व

इकाई - 3

रघुवीर सहाय : आत्महत्या के विरुद्ध

- नेता क्षमा करें
- अपने आप और बेकार
- लोकतंत्रीय मृत्यु
- नयी हँसी
- आत्महत्या के विरुद्ध

इकाई - 4

नागार्जुन : प्रतिनिधि कविताएँ (सं.) नामवर सिंह

- प्रतिबद्ध हूँ
- बादल को घिरते देखा है
- बहुत दिनों के बाद
- प्रेत का बयान
- अकाल और उसके बाद

प्रस्तावित पुस्तकें :

1. नयी कविता और अस्तित्वाद -- रामविलास शर्मा
2. कविता के नए प्रतिमान - नामवर सिंह
3. कविता की जमीन और जमीन की कविता - नामवर सिंह
4. आधुनिक हिंदी कविता - विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
5. समकालीन कविता का यथार्थ - परमानंद श्रीवास्तव

अन्य सहायक पुस्तकें -

6. समकालीन हिंदी कविता - रवींद्र भ्रमर
7. आधुनिक कविता-यात्रा - रामस्वरूप चतुर्वेदी
8. अज्ञेय साहित्य : प्रयोग और मूल्यांकन - केदार शर्मा
9. अज्ञेय की काव्यतितीर्षा - नंदकिशोर आचार्य
10. रघुवीर सहाय की कविता - सुरेश शर्मा
11. कवियों का कवि शमशेर : रंजना अरगड़े

Teaching Learning Process

डॉ. श्योराज सिंह / DR. SHEORAJ SINGH
वरिष्ठ आचार्य एवं अध्यक्ष, हिन्दी विभाग
Senior Professor and Head, Deptt. of Hindi
दिल्ली विश्वविद्यालय / University of Delhi
दिल्ली-110007 / Delhi-110007

हिन्दी - विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

प्रश्नपत्र - 302 : हिंदी आलोचना

(यूनिक पेपर कोड : 120501302)

Course Objective (2-3)

हिंदी साहित्य की आलोचना का विश्लेषणात्मक ज्ञान देना

विभिन्न आलोचकों और उनकी आलोचना का विशिष्ट ज्ञान

Course Learning Outcomes

हिंदी साहित्य में आलोचनाओं का विशिष्ट ज्ञान

प्रमुख आलोचक और आलोचनात्मक कृतियों की समझ विकसित होगी

इकाई 1 : हिंदी आलोचना की पृष्ठभूमि : भारतेंदु और द्विवेदीयुगीन आलोचना

इकाई-2 : रामचंद्र शुक्ल, हजारीप्रसाद द्विवेदी और डॉ. नगेन्द्र की आलोचना-दृष्टि

इकाई-3 : रामविलास शर्मा और नामवर सिंह की आलोचना-दृष्टि

डॉ. श्यौराज सिंह / Dr. SHEORAJ SINGH
वरिष्ठ आचार्य एवं अध्यक्ष, हिन्दी विभाग
Senior Professor and Head, Deptt. of Hindi
दिल्ली विश्वविद्यालय / University of Delhi
दिल्ली–110007 / Delhi-110007

हिन्दी विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय

इकाई-4 : मुक्तिबोध, अज्ञेय और विजयदेव नारायण साही की आलोचना-दृष्टि

प्रस्तावित पुस्तकें :

हिंदी आलोचना : विश्वनाथ त्रिपाठी

हिंदी आलोचना के नए वैचारिक सरोकार : कृष्णदत्त पालीवाल

हिंदी आलोचना का विकास : नंदकिशोर नवल

आलोचक और आलोचना : बच्चन सिंह

आलोचना के प्रगतिशील आयाम : शिवकुमार मिश्र

अन्य सहायक पुस्तकें -

आचार्य रामचंद शुक्ल और हिंदी आलोचना : रामविलास शर्मा

हिंदी समीक्षा : स्रोत एवं सूत्रधार : सत्यदेव मिश्र

आलोचना : प्रकृति और परिवेश : तारकनाथ बाली

दूसरी परंपरा की खोज : नामवर सिंह

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एंवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

डॉ. श्यौराज सिंह / Dr. SHEORAJ SINGH
वरिष्ठ आचार्य एवं अध्यक्ष, हिन्दी विभाग
Senior Professor and Head, Deptt. of Hindi
दिल्ली विश्वविद्यालय / University of Delhi
दिल्ली–110007 / Delhi-110007

(5)

प्रश्नपत्र-303 : हिंदी के अन्य गद्य-रूप

(यूनिक पेपर कोड : 120501303)

Course Objective (2-3)

हिंदी साहित्य में अन्य गद्य विधाओं के इतिहास का विश्लेषण

विभिन्न लेखकों और उनकी कृतियों का विशिष्ट ज्ञान

Course Learning Outcomes

हिंदी साहित्य के गद्य का विशिष्ट ज्ञान

प्रमुख लेखकों और उनकी कृतियों की समझ विकसित होगी

इकाई-1 : निबध

- बालकृष्ण भट्ट : आत्मनिर्भरता
- रामचंद्र शुक्ल : लोकमंगल की साधनावस्था
- हजारीप्रसाद द्विवेदी : अशोक के फूल

इकाई-2 : आत्मकथा एवं जीवनी

- ओम प्रकाश वाल्मीकि : जूठन
- विष्णु प्रभाकर : आवारा मसीहा

इकाई 3 . रेखाचित्र एवं संस्मरण

- महादेवी वर्मा : स्मृति की रेखाएँ
- जगदीशचंद्र माथुर : जिन्होंने जीना जाना

डॉ. श्यौराज सिंह / Dr. SHEORAJ SINGH
वरिष्ठ आचार्य एवं अध्यक्ष, हिन्दी विभाग
Senior Professor and Head, Deptt. of Hindi
दिल्ली विश्वविद्यालय / University of Delhi
दिल्ली–110007 / Delhi-110007

हिन्दी - विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय

इकाई-4 : यात्रावृत्तांत एवं पत्र साहित्य

- यात्रावृत्तांत : अज्ञेय : एक बूँद सहसा उछली
- पत्र साहित्य : मुक्तिबोध के पत्र नेमिचंद्र जैन को

प्रस्तावित पुस्तकें :

1. भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिंदी नवजागरण की समस्याएँ : रामविलास शर्मा
2. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण : रामविलास शर्मा
3. निराला की साहित्य-साधना (भाग 1 व 2) : रामविलास शर्मा
4. दूसरी परंपरा की खोज : नामवर सिंह
5. कवि मन : अज्ञेय
6. अज्ञेय की काव्यतितीर्षा : नंदकिशोर आचार्य

अन्य सहायक पुस्तकें -

7. साहित्यकार की आस्था तथा अन्य निबंध : महादेवी वर्मा
8. चिंतामणि (भाग 1 व 2) : रामचंद्र शुक्ल

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

डॉ. श्यौराज सिंह / Dr. SHEORAJ SINGH
वरिष्ठ आचार्य एवं अध्यक्ष, हिन्दी विभाग
Senior Professor and Head, Deptt. of Hindi
दिल्ली विश्वविद्यालय / University of Delhi
दिल्ली–110007 / Delhi-110007

हिन्दी - विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय

प्रश्नपत्र - 304 : पाश्चात्य काव्यशास्त्र

(यूनिक पेपर कोड : 120501305)

Course Objective (2-3)

पाश्चात्य काव्यशास्त्र की समझ विकसित होगी

कृतियों के विश्लेषण हेतु पाश्चात्य चिंतन का पक्ष स्पष्ट होगा

Course Learning Outcomes

पाश्चात्य काव्यशास्त्र की समझ भाषा, कला की आवश्यकता और जीवन के बीच आलोचनात्मक संबंध निर्माण करती है |

पाश्चात्य चिंतन परंपरा की समझ विकसित होगी

इकाई-1 :

- प्लेटो : काव्य सिद्धांत
- अरस्तू : अनुकरण और विरेचन सिद्धांत, त्रासदी विवेचन
- लोंजाइनस : उदात्त-संबंधी विचार

इकाई-2 :

- कॉलरिज : कविता और काव्यभाषा, कल्पना-सिद्धांत
- जार्ज लूकाच : यथार्थ और साहित्य का संबंध, आलोचनात्मक यथार्थवाद
- मैथ्यू आर्नल्ड: कविता और जीवन, जीवन और समाज
- टी.एस. इलियट : परंपरा और वैयक्तिक प्रतिभा का संबंध, निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत, वस्तुनिष्ठ सह-संबंध

इकाई 3 :

- अंतोनियो ग्राम्शी : आधार और अधिरचना का संबंध, वर्चस्व का सिद्धांत
- आई.ए.रिर्चड्स : मूल्य, संप्रेषण तथा व्यावहारिक समीक्षा-सिद्धांत
- एफ.आर.लीविस : साहित्य और नैतिक बोध

इकाई-4 :

- शास्त्रवाद, स्वच्छंदतावाद, यथार्थवाद, संरचनावाद, उत्तर-संरचनावाद

डॉ. श्यौराज सिंह / Dr. SHEORAJ SINGH
वरिष्ठ आचार्य एवं अध्यक्ष, हिन्दी विभाग
Senior Professor and Head, Deptt. of Hindi
दिल्ली विश्वविद्यालय / University of Delhi
दिल्ली-110007 / Delhi-110007

प्रस्तावित पुस्तकें :

पाश्चात्य काव्यशास्त्र : देवेन्द्रनाथ शर्मा

नई समीक्षा : नये संदर्भ : डॉ. नगेन्द्र

काव्य चिंतन की पश्चिमी परंपरा : निर्मला जैन

पाश्चात्य काव्यशास्त्र : नई प्रवृत्तियाँ : राजनाथ

कॉलरिज : आलोचना-सिद्धांत : कृष्णदत्त शर्मा

संरचनावाद, उत्तर-संरचनावाद एवं प्राच्य काव्यशास्त्र : गोपीचंद नारंग

अन्य सहायक पुस्तकें -

पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास : तारकनाथ बाली

पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परंपरा : सावित्री सिन्हा

भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का संक्षिप्त इतिहास : सत्यदेव चौधरी एवं शांति स्वरूप गुप्त

पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परम्परा : (संपादक) नगेन्द्र

उदात्त के विषय में : निर्मला जैन

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

प्रो॰ श्यौराज सिंह / Prof. Sheoraj Singh
विभागाध्यक्ष / Head
हिंदी विभाग / Department of Hindi
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली ११०००७
University of Delhi, Delhi-110007

10/9/22

डॉ. श्यौराज सिंह / DR. SHEORAJ SINGH
वरिष्ठ आचार्य एवं अध्यक्ष, हिन्दी विभाग
Senior Professor and Head, Deptt. of Hindi
दिल्ली विश्वविद्यालय / University of Delhi
दिल्ली–110007 / Delhi-110007

---------0---------